

प्रार्थना

भक्त कहता है भ. मैं तेरा हूँ, भ. तू मेरा है, मैं और तू एक ही है। हे परमात्मा! हे सृष्टि के मालिक! हे देवों के देव! हे ईश्वरों के ईश्वर! हे ब्रह्म के पिता! हे सच्चिदानन्द परमात्मा! मुझे सहन शीलता दे। मुझे धीरज दे। असंगता दे। असंग होकर जीऊँ। असंग होकर तुझ मिल जाऊँ। सब मनुष्यों से असंग हो जाऊँ। अपनी इन्द्रियों से असंग हो जाऊँ। टांगों से, बाहों से, आँखों से, मुख से, पेट से, ज़िबान से, मस्तक से, सं. से, वि. से, मन से, बुद्धि से, अहंकार से असंग हो जाऊँ। light ही light है। light में गुम हो जाऊँ। भ. तुझमें समा जाऊँ। तुझमें लीन हो जाऊँ। मुझे धीरज दे दे। मुझे सन्तोष दे दे। मुझे सर्व के लिए प्यार दे दे। सब कुछ मैं ही बना हूँ, ये नज़र दे दे। सब राम रूप दिखे, ये नज़र दे दे। भ. ही भ. देखूँ, ये नज़र दे दे! सारा दिन परमात्मा के सिवाये एक स्वास भी न जाये। तेरे हुकुम से सब कुछ हो रहा है। तेरा हुकुम देखूँ। तेरे हुकुम में चलूँ। रज़ा में राज़ी रहूँ। तेरा भाणा मीठा लागे। जो हो रहा है, बहुत भलाई है, जो होगा उसमें भी मेरी भलाई होगी। भ. की मेहर का हाथ मेरे मस्तक पर घूम रहा है। ये विश्वास है कि भ. मेरे को पूरी पूरी सम्भाल रहा है।

हे कृपा के सागर, हे त्रिलोकी नाथ! मैं तेरी **शरण** में हूँ। मेहर कर करूणा कर, प्रेम कर ज्योति दे। तेरी **रोशनी** दे। तेरी रोशनी मेरे हृदय में प्रवेश कर रही है। तेरी **शक्ति** मेरी आंखों में है। तेरी शक्ति मेरे दिमाग में है। मेरे मन में है। मेरे तन में है। मेरे धन में है। शक्ति ही शक्ति है। उस शक्ति में लीन रहूँ। कुछ **भासे** ही नहीं। तू मां दिखाई दे नहीं। कोई **नाम रूप** बना ही नहीं है। सब रूप में खुद भ. है। भ. तू सब रूप में मेरे सामने परीक्षा लेने के लिए आ रहा है। मैं तेरे को पहचान रहा हूँ। तू ही तो है। **राम जपत राम ही रहिय आप विसर्जन होये। भूल जा, जो है देखा, भूल जा। नया जन्म ले, गुरु मुख बन।** सूरज की रोशनी बन जा। आत्मा है सूरज की रोशनी। जीव है शरीर। वो मर गया। धरती से धरती हो गया। आकाश से आकाश हो जाऊँ। ऊँ में लीन हो जाऊँ। **मरने ते ही पाईयाँ पुरन परमानन्द।** मैं इस सृष्टि से मर गया। खत्म हो गया। **मेरी जीते जी मौत हो गयी।** मैं लीन हो गया। गुम हो गया। हे प्रभु मुझे अपने में समा ले। मैं रहूँ ही नहीं। मेरी हस्ती गुम कर। जीव भाव गुम कर। हस्ती गुम कर - मस्ती दे। हस्ती गुम कर मस्ती दे। अपनी मस्ती दे। अपनी मस्ती दे।

ओम